विमर्श (328), कठिनाइयाँ और दोष (330), संचालक मण्डल मे श्रमिकों का प्रतिनिधित्व (331), सामूहिक समझौते (331), सामूहिक तत्वों को प्रभावशाली बनाने के लिए आवश्यक तत्व (333), भारत में प्रबन्ध में कर्मचारी सहभागिता का नवीनतम चरण (333), शाप समिति, समिति के कार्य (334), संयुक्त परिषद— गठन (334), कार्य (335), योजना का मूल्यांकन (335), प्रगति (336), राजकीय उपक्रम— आदर्श नियोक्ता— विचारधारा (336), भारतीय राजकीय उपक्रमों में औद्योगिक सम्बन्ध (339), प्रश्न (341)। 344–345

परिशिष्ट—1 Code of Discipline

परिशिष्ट—2 Rights of recognised Unions under the code of discipline. 346–347

15. वित्तीय प्रशासन–I 348–381

क्षति-पूरण एवं मूल्य नीति

क्षति-पूरण की समस्या तथा तर्कसंगतता (348), क्षति-पूरण के विभिन्न आधार (349), भारत में क्षतिपूरण की स्थिति (352), मूल्य-नीति (354–380); प्रारम्भिक, विभिन्न अर्थ-व्यवस्थाओं में मूल्य-नीति (354), लोक-उद्यम के विशिष्ट लक्षण (355), मार्ग-दर्शक सिद्धान्त (358), उद्देश्य (359), विभिन्न पद्धतियां (361–373); सीमान्त लागत मूल्य (361), आलोचना (361), दो-भाग अथवा बहु-भाग शुल्क दर (363), औसत लागत मूल्य (363), न-लाभ, न-हानि का सिद्धान्त (365), लाभोपार्जन का सिद्धान्त (366), लागत घन मूल्य (372), आयातित मूल्य समता (372), मूल्य निर्धारण नीति-एक निष्कर्ष (373), भारत में लोक उद्योगों की मूल्य नीति की समीक्षा (374), मूल्य निर्धारण एवं सरकारी नियन्त्रण (377), केन्द्रीय मूल्य उद्यम कमीशन अथवा लोक-उद्यम कमीशन (379), प्रश्न (380)।

16. वित्तीय प्रशासन–II 382–418

बजट (382–386); अर्थ (382), लक्षण व लाभ (382), बजट का स्वरूप (383), बजट सम्बन्धी कार्य प्रणाली (384), विभागीय लोक उपक्रम (384), गैर विभागीय लोक

उपक्रम (385), बजट का अनुमोदन, पूंजीगत बजट (385), आलोचनायें (386), लोक उपक्रमों में वित्त का प्रावधान (386–391); कार्यशील पूंजी (389), पूंजी एवं ऋण (389), विविध (391–401); उत्पादन, बिक्री, लाभ एवं लाभांश (391), वित्तीय परिणाम (393), लाभांश एवं अधिकृत आय (399), माल तालिका की व्यवस्था (400), लोक उद्यम की प्रगति– एक विहगम दृष्टिपात (402), कार्यकुशलता एवं निष्पादन मूल्यांकन (402), मापन (404), भारतीय लोक उद्योगों की कार्यकुशलता एवं निष्पादन मूल्यांकन (410), असन्तोषजनक निष्पादन के कारण (411), कार्यकुशलता की वृद्धि हेतु उठाये गये कदम (414), सुझाव (415), प्रश्न (418)।

विशिष्ट अध्ययन

1. हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड (HSL) 421
2. भिलाई स्टील संयन्त्र 432
3. एयर इण्डिया तथा इण्डियन एयर लाइन्स 437
4. राजकीय व्यापार निगम (STC) 446
5. जीवन बीमा निगम (LIC) 454
6. आकाशवाणी (AIR) 462
7. नेशनल कोल बोर्ड (NCB) 468
8. ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कारपोरेशन (BBC) 475
9. सी. सी. सी. 481
10. खनिज एवं धातु व्यापार निगम (MMTC) 484
11. टैनेसी वैली आथोरिटी (TVA) 486

प्रश्न 491